इंग्लैंड टीम की कप्तानी छोड़कर खुश हैं जोस बटलर, कहा- हल्का महसूस कर रहा, मानसिकता में भी हुआ सुधार

अहमदाबाद एजेंसी।

बटलर ने कहा कि अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद वह हल्का महसूस कर रहे हैं और आईपीएल में खुलकर खेल रहे हैं। बटलर का इस सीजन अब तक स्ट्राइक रेट 173 के करीब है। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के लिए जोस बटलर को टीम में शामिल करना सही फैसला साबित हुआ है। इस सीजन टीम के दो बल्लेबाज जो फॉर्म में हैं, उनमें साई सुदर्शन के अलावा बटलर हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हराने में बटलर ने अहम भूमिका निभाई थी। वह तीन पारियों में 83 की औसत और करीब 173 के स्ट्राइक रेट से 166 रन बना चुके हैं। बटलर ने कहा कि इसमें इंग्लैंड की कप्तानी छोड़ने के फैसले ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा है कि वह कप्तानी छोड़कर खुश हैं और अच्छी मानसिकता के साथ बल्लेबाजी कर रहे हैं। बटलर ने कहा कि अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद वह हल्का महसूस कर रहे हैं और आईपीएल में खुलकर खेल रहे हैं। इंग्लैंड की टीम चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई थी। इसके बाद बटलर ने कप्तानी छोड़ दी थी। वह इस दौरान खुद ही रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। हालांकि, आईपीएल में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलते हुए उन्होंने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। इस 34 वर्षीय बल्लेबाज ने अब तक तीन पारियों में दो अर्धशतक लगाए हैं। बटलर ने कहा, मैं निश्चित तौर पर काफी हल्का महसूस कर रहा हूं। कप्तान के रूप में जब आप अनुकूल परिणाम हासिल नहीं करते हो तो आप पर इसका दबाव पड़ता है तथा आप चीजों को सही करने के लिए अपना काफी समय और ऊर्जा लगाते हो, लेकिन अब कप्तानी की जिम्मेदारी से मुक्त होने के बाद मैं काफी सहज महसूस कर रहा हूं। अब मैं अपना पूरा ध्यान अपने खेल पर लगा सकता हूं। बटलर टी20 क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलते रहे हैं लेकिन हाल में वह इंग्लैंड और अब आईपीएल में गुजरात की तरफ से तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने को लेकर सहज हूं। मैंने हाल में इंग्लैंड की तरफ से भी इस नंबर पर बल्लेबाजी की थी और मैं सलामी बल्लेबाज के रूप मेंअपने अनुभव का इस्तेमाल कर रहा हूं। बटलर ने गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व कौशल और साई सुदर्शन की बल्लेबाजी की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा, गिल शानदार कप्तान है। उसके पास नेतृत्व कौशल के अच्छे गुण हैं। वह आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करता है। वह सभी के साथ मिलकर रहता है। मैं वास्तव में उसकी कप्तानी में खेलने का आनंद ले रहा हूं। सुदर्शन के बारे में बटलर ने कहा, साई वास्तव में प्रभावशाली बल्लेबाज है।

बीसीसीआई ने नवंबर में दिल्ली में टेस्ट मैच कराने का बचाव किया

सैकिया बोले- प्रदूषण हर साल नहीं होता

नई दिल्ली एजेंसी।

भारतीय टीम 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। पहला मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने नवंबर में दिल्ली में टेस्ट मैच कराने के फैसले का बचाव किया है। बीसीसीआई ने हाल ही में घरेलू सीजन की घोषणा की थी जिसमें भारत वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा। इसकी शुरुआत दो अक्तूबर से होगी।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अक्तूबर में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच अहमदाबाद और कोलकाता में टेस्ट मैच खेले जाएंगे। इसके बाद भारतीय टीम 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। पहला मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर खेला जाएगा। नवंबर के महीने में दिल्ली में टेस्ट कराना प्रशंसकों को समझ नहीं आया और उन्होंने बीसीसीआई के फैसले की आलोचना की। हालांकि, सैकिया ने इस फैसले का बचाव किया और कहा कि सभी हितधारकों से चर्चा करने के बाद ही स्थल तय किए गए हैं।

डीडीसीए ने सुरक्षा का आश्वासन दिया

सैकिया ने कहा, हमने सभी चीजों पर विचार किया है और सभी से चर्चा करने के बाद रोटेशन नीति अपनाई है। प्रदूषण की समस्या हर साल नहीं होती। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के सचिव अशोक शर्मा ने आश्वासन दिया कि वे खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाएंगे और यह भी बताया कि नवंबर महीने में प्रदूषण का स्तर दिसंबर की तुलना में थोड़ा बेहतर है। अशोक कुमार ने कहा, डीडीसीए यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाएगा कि टेस्ट मैच खेलते समय खिलाड़ी सहज महसूस करें। साथ ही, अरुण जेटली स्टेडियम अपेक्षाकृत खुले क्षेत्र में स्थित है जिसके आसपास ज्यादा हरियाली है। इसलिए हवा की गुणवत्ता ज्यादातर दूसरे क्षेत्रों की तुलना में बेहतर है। दिल्ली को कुछ समय से टेस्ट मैच आवंटित नहीं किया गया था। बीसीसीआई ने हमें टेस्ट मैच की मेजबानी दी है, इसलिए हमें कैलेंडर के हिसाब से चलना होगा। नवंबर में अगर प्रदूषण होता भी है।

जुलाई में इटली में खेली जाएगी होपमैन कप मिश्रित टीम टेनिस प्रतियोगिता

रोम एजेंसी।

ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी हैरी होपमैन के नाम पर, होपमैन कप 1989 में शुरू हुआ और 2020 तक हर साल खेला जाता था। पहले 30 वर्ष तक इसका आयोजन ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में टेनिस सत्र के पहले सप्ताह में किया जाता था। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने घोषणा की है कि इस साल का होपमैन कप इटली के दक्षिणी शहर बारी में खेला जाएगा। इस मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इटली, फ्रांस, स्पेन, यूनान, कनाडा और मौजूदा चैंपियन क्रोएशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। इसका आयोजन विंबलडन के एक सप्ताह बाद 16 से 20 जुलाई तक किया जाएगा। होपमैन कप के लिए टीमों में एक पुरुष और एक महिला खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसके एक मुकाबले में एक पुरुष एकल मैच, एक महिला एकल मैच और एक मिश्रित युगल मैच शामिल होता है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक नहीं मिलते हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी हैरी होपमैन के नाम पर, होपमैन कप 1989 में शुरू हुआ और 2020 तक हर साल खेला जाता था। पहले 30 वर्ष तक इसका आयोजन ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में टेनिस सत्र के पहले सप्ताह में किया जाता था। आखिरी बार इसका आयोजन 2023 में फ्रांस में हुआ था ।

नीरज चोपड़ा घरेलू इवेंट में लेंगे हिस्सा, पंचकूला में 24 मई को आयोजित होगी प्रतियोगिता

नीरज चोपड़ा जल्द ही भाला फेंक प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे। दरअसल, हरियाणा के पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 24 मई को क्लासिक भाला फेंक इवेंट का आयोजन होगा जिसमें नीरज चोपड़ा भी हिस्सा लेंगे। ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा जल्द ही भाला फेंक प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे। दरअसल, हरियाणा के पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 24 मई को क्लासिक भाला फेंक इवेंट का आयोजन होगा जिसमें नीरज चोपड़ा भी हिस्सा लेंगे। चोपड़ा 374 दिनों के अंतराल के बाद भारत में प्रतिस्पर्धा करेंगे और घरेलू मैदान पर उनकी आखिरी प्रतियोगिता मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप होगी। वहीं 374 दिनों के बाद नीरज भारत में प्रतिस्पर्धा करेंगे। साथ ही उनकी घरेलू मैदान पर उनकी आखिरी प्रतियोगिता मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप थी। वहीं इंडियन एक्सप्रेस के हवाले से एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि इस नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट में नीरच चोपड़ा और दुनिया के अन्य टॉप जेवलिन थ्रोअर शामिल होंगे। 24 मई को पंचकूला में ये प्रतियोगिता होगी। साथ ही इस प्रतियोगिता की अन्य औपचारिकताओं को आने वाले दिनों में अंतिम रूप दिया जाएगा। फिलहाल नीरज चोपड़ा ने पिछले साल पेरिस में आयोजित ओलंपिक में अपना दूसरा ओलंपिक पदक जीता।

टैरिफ की आंच से सहमा बाजार

सेंसेक्स 931 अंक गिरा, निफ्टी 23 हजार से फिसला

नई दिल्ली एजेंसी।

भारतीय शेयर सूचकांक सेंसेक्स 900 अंक से अधिक टूटकर 76,000 के स्तर से नीचे आ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 930.67 अंक या 1.22 प्रतिशत गिरकर 75,364.69 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 345.65 अंक या 1.49 प्रतिशत गिरकर 22,904.45 पर बंद हुआ।

वैश्विक व्यापार युद्ध की बढ़ती आशंकाओं के बीच शुक्रवार को भारतीय शेयर सूचकांक सेंसेक्स 900 अंक से अधिक टूटकर 76,000 के स्तर से नीचे आ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 930.67 अंक या 1.22 प्रतिशत गिरकर 75,364.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,054.81 अंक या 1.38 प्रतिशत गिरकर 75,240.55 अंक के निचले स्तर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 345.65 अंक या 1.49 प्रतिशत गिरकर 22,904.45 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान 50 शेयरों वाला बेंचमार्क इंडेक्स 382.2 अंक या 1.64 प्रतिशत गिरकर 22,867.90 पर बंद हुआ। जानकारों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और बाजार में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टूब्रो और इंफोसिस जैसी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से निराशा और बढ़ गई।

टाटा स्टील के शेयरों में 8.59त्न तक की गिरावट

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में सबसे ज्यादा नुकसान टाटा स्टील को हुआ, जिसमें 8.59 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो, अदाणी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा स्युटिकल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस और एनटीपीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, एशियन पेंट्स और एक्सिस बैंक के शेयरों में लाभ रहा। व्यापक बाजार की बात करें तो बीएसई मिडकैप सूचकांक में 3.08 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में 3.43 प्रतिशत की गिरावट आई। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, वैश्विक शेयर बाजार में गिरावट के कारण बाजार में भी गिरावट आई तथा व्यापक बिकवाली के कारण विभिन्न क्षेत्रों में 2-6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। निवेशकों को डर है कि ट्रंप की पारस्परिक टैरिफ नीति मंदी को बढ़ावा देगी और अमेरिका में मुद्रास्फीति को बढ़ावा देगी तथा अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को भी अपनी चपेट में ले लेगी। टेपसे ने कहा कि धातु और तेल शेयरों में तेज गिरावट से संकेत मिल रहा है कि मंदी की आशंकाओं के बीच मांग प्रभावित हो सकती है।

अमेरिकी बाजार में 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट

एशियाई बाजारों में, टोक्यो और सियोल में गिरावट रही। हांगकांग और शंघाई शेयर बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे। मध्य सत्र के सौदों में यूरोपीय बाजार कम कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को रात भर के सौदों में अमेरिकी बाजार कम बंद हुए, जो 2020 के बाद से उनकी सबसे बड़ी गिरावट थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.26 प्रतिशत गिरकर 67.85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट कमोडिटीज राहुल कलंत्री ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारी पारस्परिक व्यापार शुल्क की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई, जिससे वैश्विक मांग में कमी आने की आशंका बढ़ गई। चीन पर शुल्क में तेज वृद्धि से ऊर्जा बाजार में हड़कंप मच गया, जिससे कच्चे तेल में तीन साल में सबसे बड़ी एक दिन की गिरावट आई। इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 2,806 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने शुद्ध आधार पर 221.47 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। रुवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 322.08 अंक गिरकर 76,295.36 पर बंद हुआ था और एनएसई निफ्टी 82.25 अंक गिरकर 23,250.10 पर बंद हुआ था।

भारतीय रेलवे ने वर्ष 2024-25 में कोच निर्माण में 9 प्रतिशत की वृद्धि की, बनाए 7,134 नए कोच

नई दिल्ली एजेंसी।

भारतीय रेलवे ने आम आदमी की जरूरतो को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 ट्रेन के कोच की के कोच की बनावट में रिकॉर्ड वृद्धि की है। इस वित्तिय वर्ष में कुल 7,134 कोच बनाए गए है। इनमें बिना एसी के कोच की बनावट पर ज्यादा फोकस किया गया है, जिससे आम आदमी की जरूरतें पूरी हो सके। भारतीय रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2024-25 ट्रेन के कोच की बनावट में बड़ी बढ़ोतरी की। मामले में जारी विज्ञाप्ति में बताया गया कि रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7,134 कोच बनाए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। रेल मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि 2023-24 में 6,541 कोच बनाए गए थे। साथ ही मंत्रालय ने ये भी बताया कि इस वृद्धि का मुख्य कारण बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने के लिए रेलवे द्वारा किए गए बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के प्रयास हैं।

आम आदमी का जरूरतों को पूरा करने पर जोर

मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञाप्ति में बताया गया है कि 2024-25 में खास ध्यान गैर-एसी कोचों के उत्पादन पर दिया गया है। जहां कुल 4,601 कोचों का को बिना एसी वाले श्रेणी में बनाया गया है, जो कि आम आदमी की यात्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है।

झींगा,मेडिकल उपकरण और सोने के आभूषणों पर होगा ज्यादा असर

इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत के लिए बड़ा अवसर

नई दिल्ली एजेंसी।

भारत के निर्यात क्षेत्र जैसे झींगा, कालीन, चिकित्सा उपकरण और सोने के आभूषणों पर अमेरिका द्वारा घोषित 27त्न अतिरिक्त आयात शुल्क का असर पड़ेगा। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा और फार्मा जैसे निर्यात क्षेत्रों को अमेरिका में अपने प्रतिस्पर्धी देशों पर बढ़त मिलेगी। इस घोषणा में सभी आयातित वस्तुओं पर सार्वभौमिक 10 प्रतिशत टैरिफ शामिल है, जो 5 अप्रैल से प्रभावी होगा। 9 अप्रैल को इसे 27 प्रतिशत कर दिया जाएगा। अमेरिका घरेलू झींगा उद्योग का सबसे बड़ा बाजार है। उच्च टैरिफ के कारण झींगा अब अमेरिकी बाजार में काफी कम प्रतिस्पर्धी हो जाएगा। अमेरिका ने पहले ही भारतीय झींगा पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगा रखी है। भारत के कुल झींगा निर्यात में से 40 प्रतिशत अमेरिका को निर्यात किया जाता है। इक्वाडोर और इंडोनेशिया अमेरिकी बाजार में घरेलू निर्यातकों के प्रमुख प्रतिस्पर्धी हैं। 2023-24 के दौरान फ्रोजन झींगा का निर्यात 7,16,004 टन था। पिछले वित्त वर्ष में अमेरिका ने 2,97,571 टन आयात किया। फ्रोजन झींगा अमेरिका को निर्यात होने वाली प्रमुख वस्तु बनी रही। अमेरिका भारतीय कालीन का सबसे बड़ा आयातक है और 2023-24 में 17,000 करोड़ का आयात किया था।

इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत के लिए बड़ा अवसर

इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार और स्मार्टफोन क्षेत्रों में वियतनाम और थाईलैंड जैसे देशों को अमेरिका के ऊंचे टैरिफ के कारण लागत प्रतिस्पर्धात्मकता खोने की संभावना है। यह भारत के लिए एक अवसर खोलता है, जिसने पहले से ही उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसे सरकारी प्रोत्साहनों के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में निवेश करना शुरू कर दिया है। टैरिफ के कारण ताइवान से आपूर्ति श्रृंखलाओं का आंशिक स्थानांतरण (32 प्रतिशत) भी भारत को लाभ पहुंचा सकता है।

मांग में नरमी के कारण मार्च में सेवा क्षेत्र का विस्तार धीमा पड़ा, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली एजेंसी।

सेवा क्षेत्र के पीएमआई में मार्च में नरमी दिखी। एचएसबीसी फाइनल भारत सेवा क्रय प्रबंधक सूचकांक फरवरी के 59.0 से गिरकर मार्च में 58.5 पर आ गया। हालांकि यह बाजार के अनुमानों से अधिक रहा। अनुमानों में सूचकांक के 57.7 तक पहुंचने की आशंका जताई गई थी। मांग में नरमी के कारण सेवा क्षेत्र का विस्तार मार्च में धीमा रहा। इस दौरान कंपनियों ने साढ़े तीन साल में सबसे कम दर से कीमतें बढ़ाईं। शुक्रवार को एक सर्वेक्षण में यह बात कही गई। सर्वे से यह भी पता चला कि रोजगार सृजन में भी कमी आई है। एचएसबीसी फाइनल भारत सेवा क्रय प्रबंधक सूचकांक फरवरी के 59.0 से गिरकर मार्च में 58.5 पर आ गया। हालांकि यह बाजार के अनुमानों से अधिक रहा। अनुमानों में सूचकांक के 57.7 तक पहुंचने की आशंका जताई गई थी। पीएमआई की भाषा में 50 अंक से ऊपर का स्तर विस्तार तो 50 से नीचे का स्तर गिरावट को दर्शाता है।